Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 10

सामाजिक विज्ञान

समकालीन भारत-II

अध्याय-3 : जल संसाधन

भाग - 2

बहुउद्देशीय नदी परियोजनाएँ (बांध)

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

विवरण

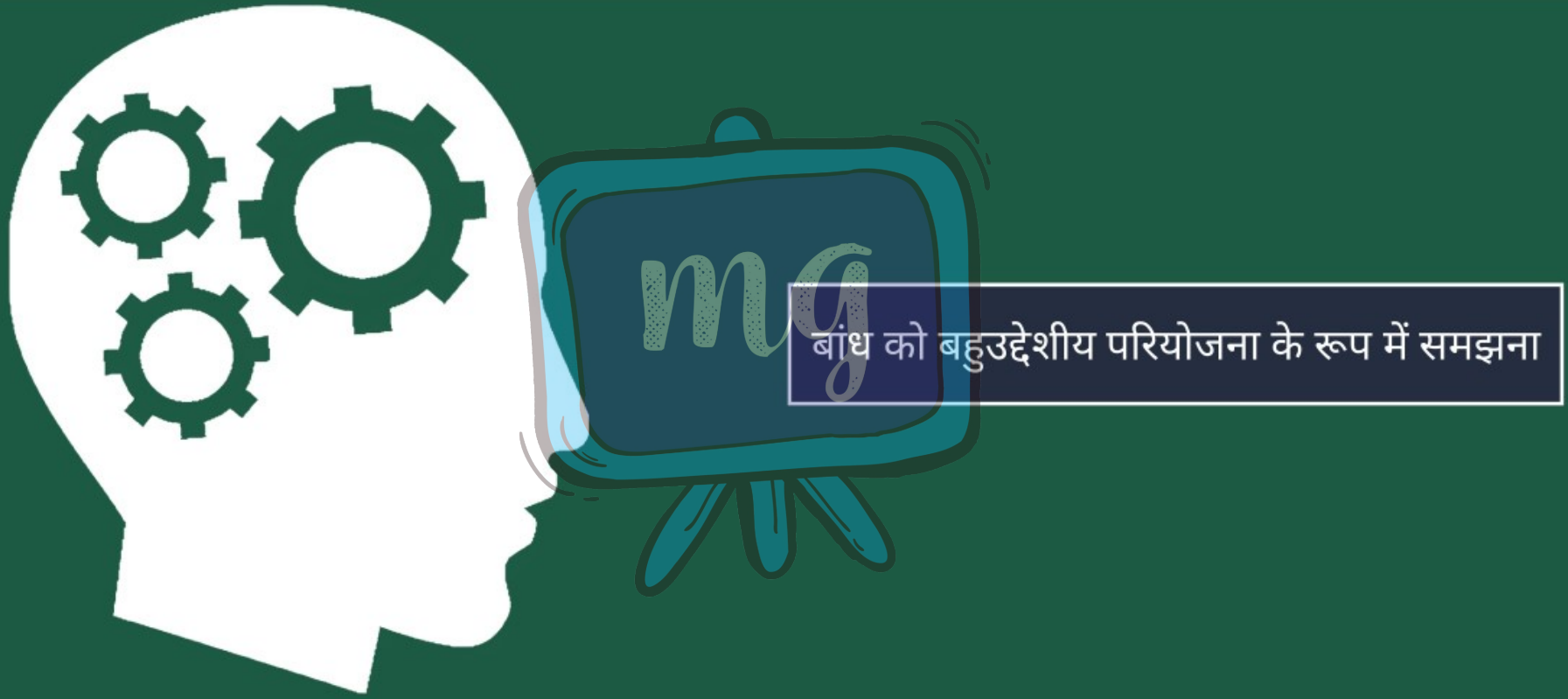


1. जल संसाधन
2. बहुउद्देशीय नदी परियोजनाएँ (बांध)
3. बड़े बांधों के कारण होने वाली समस्याएं
4. वर्षा जल संग्रहण

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कंपेटेंसी बेस्ड लर्निंग

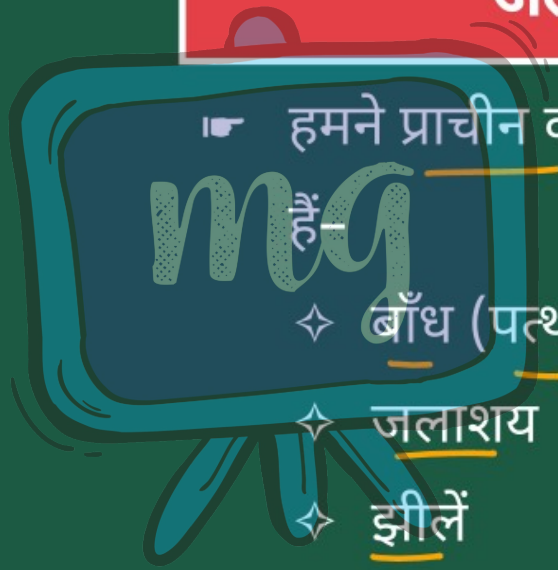
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

बहु-उद्देशीय नदी परियोजनाएँ और समन्वित जल संसाधन प्रबंधन



- हमने प्राचीन काल से उत्कृष्ट जलीय कृतियाँ बनाई हैं–
  - बाँध (पत्थर और मलबे से)
  - जलाशय
  - झीलें
  - तटबंध
  - नहरें

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



प्राचीन भारत में जलीय कृतियाँ

ईसा से एक शताब्दी पहले

- श्रिंगवेरा (इलाहाबाद के नजदीक) में गंगा-नदी के बाढ़ के जल को संरक्षित करने के लिए एक उत्कृष्ट जल संग्रहण तंत्र बनाया गया था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

चन्द्रगुप्त मौर्य के समय

☛ बृहत् स्तर पर बाँध, झील और सिंचाई तंत्रों का निर्माण करवाया गया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ उत्कृष्ट सिंचाई-तंत्र होने के सबूत

- ✧ कलिंग (ओडिशा)
- ✧ नागार्जुनकोंडा (आंध्र प्रदेश)
- ✧ बेन्नूर (कर्नाटक)
- ✧ कोल्हापुर (महाराष्ट्र)





Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ **11वीं शताब्दी** (1000 - 1100)

भोपाल झील बनाई गई।

(अपने समय की सबसे बड़ी कृत्रिम-झीलों में से एक)



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



☛ **14वीं शताब्दी**

इल्तुतमिश ने दिल्ली में सिरी फोर्ट क्षेत्र में जल की सप्लाई के लिए हौज खास (एक विशिष्ट तालाब) बनवाया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ हमने यह परिपाटी आधुनिक भारत में भी जारी रखी है।

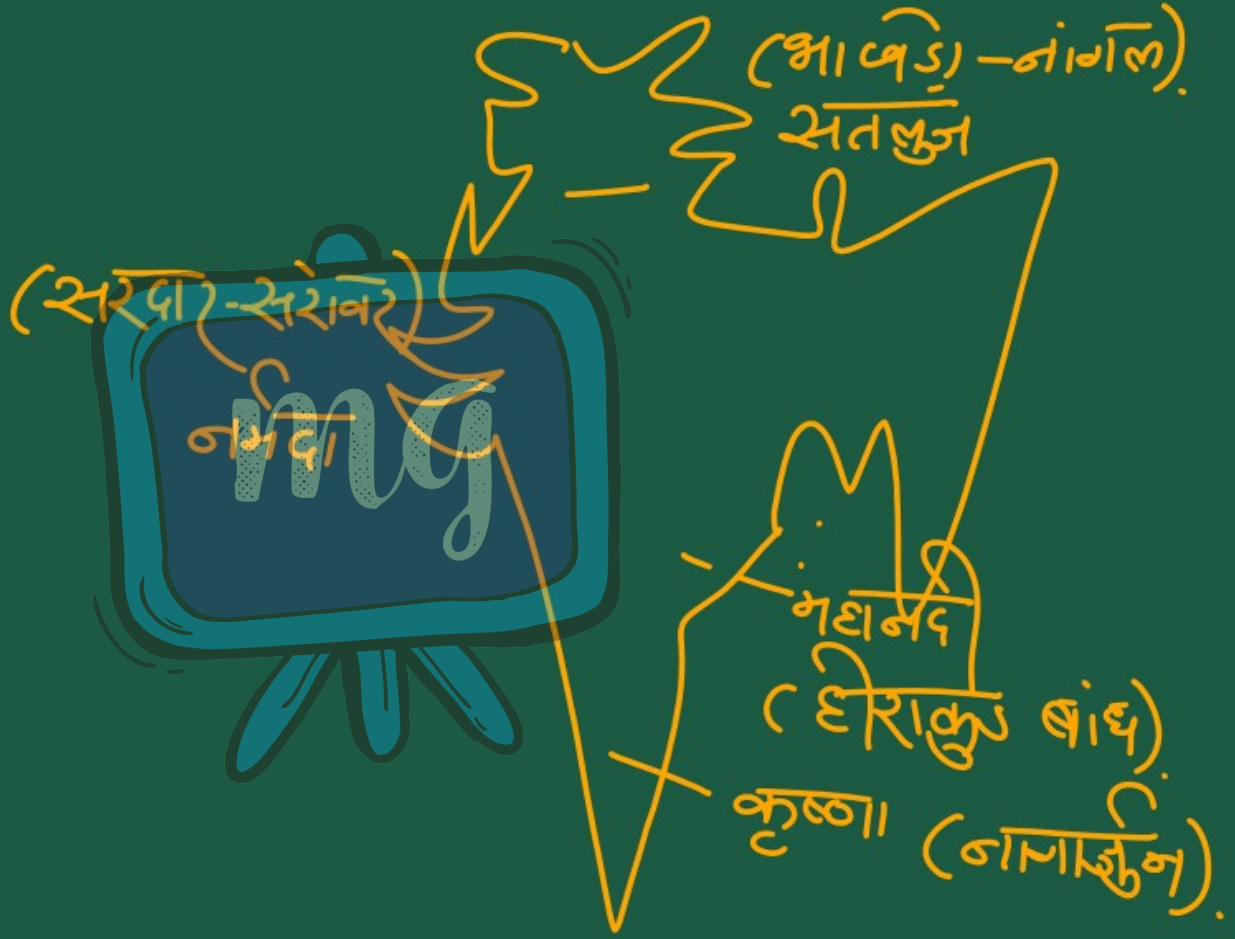
कैसे

अधिकतर नदी-बेसिनों में बाँध बनाकर।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



बाँध

- बाँध बहते जल को रोकने, बहाव कम करने या दिशा देने के लिए खड़ी की गई बाधा है जो आमतौर पर जलाशय, झील या जलभरण बनाती हैं।
- बाँध का अर्थ “जलाशय” से है (न कि इसके “ढाँचे” से)

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

बांधो का वर्गीकरण

1.	संरचना के आधार पर
2.	ऊँचाई के आधार पर
3.	उद्देश्य के आधार पर

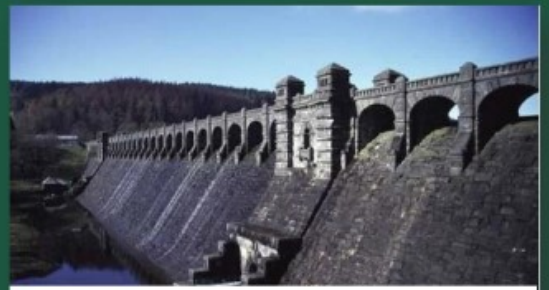
Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

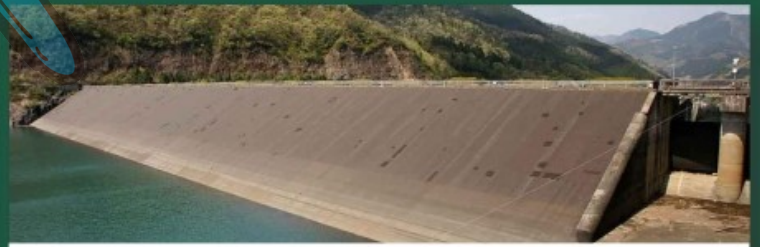
1. संरचना और उनमें प्रयुक्त पदार्थों के आधार पर



लकड़ी के बाँध



पक्का बाँध



तटबंध बाँध

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2. ऊँचाई के आधार पर



नीचे बाँध



मध्यम बाँध



उच्च बाँध

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ परम्परागत बाँध, नदियों और वर्षा-जल को इकट्ठा करके बाद में उसे खेतों की सिंचाई के लिए उपलब्ध करवाते थे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

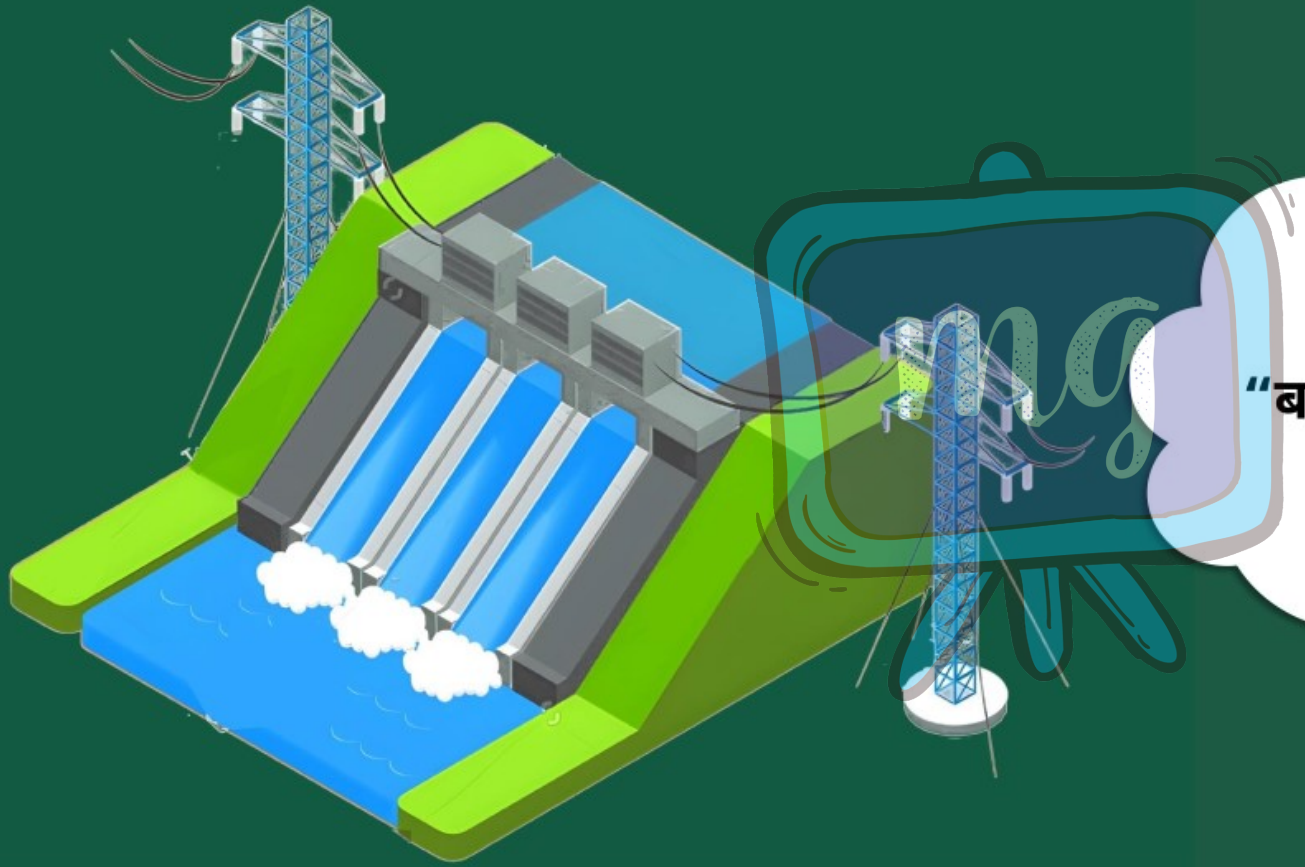
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ वर्तमान में बाँध कई उद्देश्यों से बनाए जाते है: -

- ✧ सिंचाई
- ✧ विद्युत उत्पादन
- ✧ घरेलू उपयोग हेतु जल आपूर्ति
- ✧ औद्योगिक उपयोग हेतु जल आपूर्ति
- ✧ बाढ़ नियंत्रण
- ✧ मनोरंजन
- ✧ आंतरिक नौचालन
- ✧ मछली पालन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



इसलिए, बाँधों को
"बहुउद्देशीय परियोजनाएँ"
भी कहा जाता है

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. भाखड़ा नांगल परियोजना

- नदी
  - सतलुज-ब्यास
- उपयोग
  - ✧ जल विद्युत उत्पादन
  - ✧ सिंचाई

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2. हीराकुड परियोजना

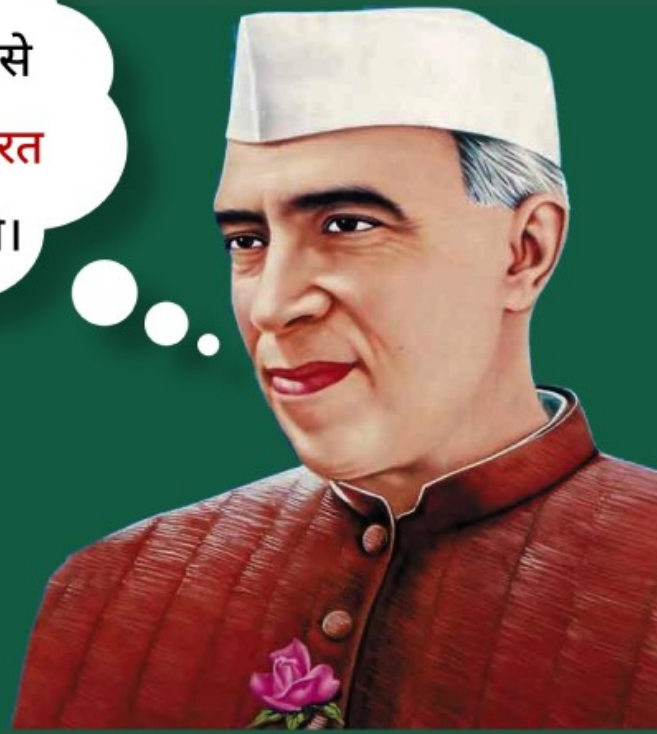
- नदी
  - महानदी
- उपयोग
  - ✧ जल-संरक्षण
  - ✧ बाढ़-नियंत्रण

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

बाँध
'आधुनिक भारत के मंदिर'

जवाहरलाल नेहरू गर्व से बाँधों को 'आधुनिक भारत के मंदिर' कहा करते थे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कारण

इन परियोजनाओं से कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था, औद्योगीकरण और नगरीय अर्थव्यवस्था समन्वित रूप से विकास करेगी।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लर्निंग आउटकम्स



बांधो का विकास और उद्देश्य

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

मूल्यांकन



1 प्राचीन काल में नागार्जुनकोंडा में उत्कृष्ट सिंचाई तंत्र होने के सबूत मिलते है। यह _____ राज्य में स्थित है।

अ आंध्र प्रदेश

ब ओडिशा

स कर्नाटक

द तमिलनाडु

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

मूल्यांकन



2 जवाहरलाल नेहरू ने गर्व से बांधों को 'आधुनिक भारत के मंदिर' कहा, क्योंकि: -

अ ये धार्मिक विश्वासों के प्रतीक हैं

ब ये कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास को तीव्र औद्योगिकीकरण और शहरी अर्थव्यवस्था के विकास के साथ एकीकृत करते हैं

स ये पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हैं

द ये प्राचीन परंपराओं को संरक्षित करते हैं

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan

मूल्यांकन



3 हीराकुंड बाँध किस नदी पर बनाया गया है?

अ गंगा

ब सतलुज

स नर्मदा

द ✓ महानदी